अंगूर का दाना-8

“अंगूर ने अपने दोनों हाथ पीछे किये और अपने नितम्बों को पकड़ कर उन्हें चौड़ा कर दिया। आह... अब तो उसके नितम्ब फ़ैल से गए और गांड का छेद भी और खुल गया। अब जन्नत के गृह प्रवेश में चंद पल ही तो बाकी रह गए थे। ...”

Story By: (premguru2u)
Posted: Wednesday, January 12th, 2011
Categories: लड़कियों की गाण्ड चुदाई
Online version: अंगूर का दाना-8

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

अंगूर का दाना-8

प्रेम गुरु की कलम से

मैं अपने विचारों में खोया था कि अंगूर की रस घोलती आवाज सुनकर चौंक ही पड़ा।

मैंने एक चुम्बन उसके नितम्बों पर फिर से लेते हुए कहा- अंगूर ऐसे नहीं तुम पेट के नीचे एक तकिया लगा कर अपने नितम्ब थोड़े से ऊपर उठा लो और अपनी जांघें चौड़ी कर लो फिर ठीक रहेगा !'

वो झट से मेरे कहे मुताबिक़ हो गई उसे भला क्या ऐतराज़ होता। आप हैरान हो रहे हैं ना ?

ओह… अगर आप नौसिखिये नहीं हैं तो मेरी इस बात से जरूर सहमत होंगे कि किसी भी कुंवारी गांड को पहली बार बहुत प्यार से मारा जाता है ताकि उसे भी गांड मरवाने में उतना ही आनंद आये जितना उसके प्रेमी को आ रहा है। दरअसल पहली बार गांड मारते समय अपने साथी को कभी भी घोड़ी वाली मुद्रा में नहीं चोदना चाहिए। इस से झटका बहुत तेज़ लग सकता है और गांड की नर्म त्वचा फट सकती है।

मैं कतई ऐसा नहीं चाहता था, मैं तो चाहता था कि वो इस गांड चुदाई में इतना आनंद महसूस करे कि जब भी वो अपने पति या प्रेमी से भविष्य में चुदे तो ये लम्हे उसे तमाम उम्र याद रहें और हर चुदाई में वो इस आनंद को याद करके रोमांचित होती रहे।

आप सोच रहे होंगे यार अब बर्दाश्त नहीं हो रहा है। अपना ज्ञान बघारना बंद करो और अंगूर की मटकती गांड में डाल दो अपना पप्पू। क्यों उस बेचारे के साथ अन्याय कर रहे हो ? हमारा तो अब निकालने ही वाला है !

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

ओह… चलो ठीक है पर एक बात तो आपको मेरी सुननी ही होगी ! मैं सच कहूं तो लंड गांड के अन्दर चले जाने के बाद तो सारा कौतुक और रोमांच ही ख़त्म हो जाता है। उसके बाद तो बस लंड पर कसाव अनुभव होता है और अन्दर तो बस कुंआ ही होता है।

गांड के छल्ले पर अपने खड़े लंड को घिसने में और अन्दर डालने के प्रयास में लंड का थोड़ा सा टेढ़ा होना, फिसलना और उसके छल्ले का संकोचन और फैलाव देख और अनुभव कर जो सुख और आनंद मिलता है वो भला लंड गांड के अन्दर चले जाने के बाद कहाँ मिलता है। आप तो सब जानते ही हैं मैं इतनी जल्दी उस रोमांच को ख़त्म नहीं करना चाहता था।

अब मैंने भी अपने नितम्बों के नीचे एक तकिया लगाया और अंगूर की जाँघों के बीच बैठ गया। मैंने अपने पप्पू पर खूब सारी क्रीम और वैसलीन लगा ली थी। आप तो जानते ही हैं मेरे लंड का टोपा (सुपारा) आगे से थोड़ा पतला है। ऐसे लंड गांड मारने में बड़े कामगार होते हैं।

मैंने अपना लंड उसकी मटकती गांड के छेद पर लगा दिया। अंगूर के बदन में एक झुरझुरी सी दौड़ गई। उसका शरीर थोड़ा कांपने सा लगा था। ऐसा पहली बार की गांड चुदाई में अक्सर होता है। मैंने अंगूर से एक बार फिर कहा कि वो अपने पूरे शरीर और गांड को ढीला छोड़ दे मैं उसे जरा भी दर्द नहीं होने दूंगा। वो ऐसा करने की भरसक कोशिश कर भी रही थी।

मेरा पप्पू तो अकड़ कर लोहे की रॉड ही बन गया था। मैंने 4-5 बार उसके छल्ले पर अपने सुपारे को रगड़ा। पर मैंने अन्दर डालने की कोई जल्दी नहीं दिखाई तो अंगूर ने अपने दोनों हाथ पीछे किये और अपने नितम्बों को पकड़ कर उन्हें चौड़ा कर दिया। आह… अब तो उसके नितम्ब फ़ैल से गए और गांड का छेद भी और खुल गया। अब जन्नत के गृह प्रवेश में चंद पल ही तो बाकी रह गए थे।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

मैंने हौले से अन्दर की ओर दबाव बनाया। मेरा लंड हालांकि तना हुआ था फिर भी वो थोड़ा सा धनुष की तरह टेढा होने लगा। मेरे जैसे अनुभवी व्यक्ति के लिए यह स्थिति आम बात थी पर एक बार तो मुझे लगा कि मेरा लंड फिसल जाएगा। मैंने अंगूर की कमर पकड़ी और फिर से आगे जोर लगाया तो उसकी गांड का छल्ला चौड़ा होने लगा और…

मेरी प्यारी पाठिकाओ और पाठको ! यही वह लम्हा था जिसके लिए लोग कितने जतन करते हैं। धीरे धीरे उसका छल्ला चौड़ा होता गया और मेरे लंड का सुपारा उसके अन्दर सरकने लगा। अंगूर कसमसाने लगी थी।

मैं जानता था यह लम्हा उसके लिए बहुत संवेदनशील था, मैंने एक हाथ से उसके नितम्ब सहलाने शुरू कर दिए और उसे समझाने लगा :
'अंगूर मेरी जान ! तुम तो मेरी सबसे अच्छी और प्यारी साली हो। आज तुमने तो मुझे उपकृत ही कर दिया है। बस एक बार थोड़ा सा दर्द होगा उसके बाद तो तुम्हें पता ही नहीं चलेगा। बस मेरी जान… आह…'

'ऊईईईईई… अम्म्माआअआ… ईईईईईईईई… '

अंगूर की दर्द और रोमांच मिश्रित चीख सी निकल गई। पर मेरा काम हो चुका था। आधा लंड अन्दर चला गया था।

मेरी प्यारी पाठिकाओ आप सभी को भी बहुत बहुत बधाई हो।

'बस… बस.. मेरी जान हो गया… अब तुम बिल्कुल चिंता मत करो… ?'

'ओह… जीजू बहुत दर्द हो रहा है… उईईइ… माँ आ आ… ओह… बाबू मैं मर जाऊँगी… बाहर निकाल लो…आह… !' वो रोने लगी थी।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

मैं जानता था यह दर्द तो बस चंद पलों का है। आधा लंड गांड में चला गया अब आगे कोई दिक्कत नहीं होगी। बस थोड़ी देर में ही मेरा लंड अन्दर समायोजित हो जाएगा और उसके छल्ले की त्वचा अपनी संवेदनशीलता खो देगी उसके बाद तो इसे पता भी नहीं चलेगा कि कितना अन्दर है और कितना बाहर है।

'अंगूर तुम बहुत प्यारी हो... काश तुम मेरी असली साली होती!'
'ओह... अब हिलो मत...!' उसने मेरे कूल्हे पर हाथ रखते हुए कहा।
'हाँ मेरी जान तुम घबराओ नहीं...!'
'क्या पूरा अन्दर चला गया?'

उसने अपने हाथ से मेरा लंड टटोलने की कोशिश की। मेरा आधा लंड तो अभी भी बाहर ही था। मुझे डर था कि आधा लंड अन्दर जाने पर ही उसे इतना दर्द हुआ है तो वो यह जान कर तो और भी डर जायेगी की अभी आधा और बाकी है।

मैंने उसका हाथ हटा दिया और उसके नितम्बों और कमर को हौले हौले सहलाने लगा। दर असल मैं 3-4 मिनट उसे बातों में उलझाए रखना चाहता था ताकि इस दौरान उसका दर्द कम हो जाए और गांड के अन्दर मेरा लंड ठीक से समायोजित हो जाए।

'अंगूर एक बात बताऊँ?'
'क्या?'
'तुम बहुत खूबसूरत हो!'
'हुंह झूठे कहीं के?'
'नहीं अंगूर मैं सच कहता हूँ। मैंने मधुर के साथ भी ऐसा कई बार किया है पर इतना आनंद तो मुझे कभी नहीं मिला!'

कहते कहते मैं उसके ऊपर आ गया और अपने हाथ नीचे करके उसके उरोजों को पकड़ कर

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

मसलने लगा। अंगूर ने अपना सिर थोड़ा सा ऊपर उठाया तो मैंने उसके गालों को चूम लिया। मेरे ऐसा करने पर उसने भी अपने नितम्ब थोड़े से ऊपर उठा दिए।

‘तुम सभी मर्द एक जैसे होते हो!’
‘वो कैसे?’
‘तुम तो बस अपना मज़ा देखते हो। मुझे कितना दर्द हो रहा है तुम्हें क्या पता?’
‘क्या अब भी हो रहा है?’

‘नहीं अब तो इतना नहीं है! मैं तो डर ही रही थी पता नहीं क्या होगा!’
‘मैंने बताया था ना कि मैं तुम्हें दर्द नहीं होने दूंगा!’
‘पर रज्जो तो बता रही थी कि जब उसके पति ने उसकी गांड मारी थी तो उसकी गांड से तो बहुत खून निकला था। वो तो बेहोश ही हो गई थी!’

‘अरे उसका पति अनाड़ी रहा होगा। उसे गांड मारना आता ही नहीं होगा!’
‘सभी आप जैसे तजुर्बेकार थोड़े ही होते हैं!’ कहते हुए वो हंसने लगी।

मैं भी तो यही चाहता था।

प्यारे पाठको! अब आपको पता चला होगा की गांड कैसे मारी जाती है। मैंने अपना लंड थोड़ा सा बाहर निकला और फिर अन्दर कर दिया। मेरे ऐसा करने पर अंगूर ने अपने नितम्ब ऊपर उठा दिए और फिर तो लंड महाराज पूरे के पूरे अन्दर विराजमान ही हो गए।

अब तो अंगूर कभी अपनी गांड के छल्ले को कसती कभी नीचे से अपने नितम्बों को उछालती। मैं हैरान था कि इतनी जल्दी उसका दर्द कैसे ख़त्म हो गया। उसकी गांड में मेरा लंड तो ऐसे लग रहा था जैसे किसी ने मुट्ठी में ही उसे पकड़ कर भींच लिया हो।

दोस्तो! मैं सच कहता हूँ मैंने अब तक कोई 10-12 लड़कियों और औरतों की गांड मारी है

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

पर अंगूर की गांड तो उन सब में सर्वश्रेष्ठ थी। मैंने मधुर की गांड भी कई बार मारी है पर पहली बार में उसकी और निशा (दो नंबर का बदमाश) की गांड भी इतनी खूबसूरत और नाज़ुक नहीं लगी थी।

मैं तो जैसे स्वर्ग में ही पहुँच गया था। अब मैंने हौले हौले धक्के लगाने चालू कर दिए थे। मैंने एक बात का ध्यान जरूर रखा था कि उसके ऊपर मेरा ज्यादा वजन ना पड़े। अब तो अंगूर मीठी सीत्कार करने लगी थी। पता नहीं उसे भी मज़ा आ रहा था या मुझे खुश करने के लिए वो ऐसा करने लगी थी।

'ओह… जीजू… आह…!'

'क्या हुआ अंगूर… मज़ा आ रहा है ना?'
'ओह… अब कुछ मत बोलो… बस किये जाओ… आह जरा धीरे… ओईईईईईई… अम्माआआ… जीजू एक बात कहूं!'
'हाँ मेरी प्यारी सालीजी बोलो?'
कहते हुए मैंने एक धक्का लगाया और उसके कानों की परलिका (लटकन) अपने मुँह में भर कर चूसने लगा। वो तो इस समय जैसे सातवें आसमान पर ही थी।

'मुझे रज्जो ने बताया था कि पहले तो जब उसका पति उसकी गांड मारता था उसे बहुत दर्द होता था और जरा भी अच्छा नहीं लगता था पर अब तो वो इतनी दीवानी हो गई है कि जब तक एक बार गांड में नहीं डलवाती उसे मज़ा ही नहीं आता!'

'हाँ मेरी जान इसीलिए तो इसे जन्नत का दूसरा दरवाजा कहा जाता है!'

'अरे हाँ… आप सच कह रहे हो मुझे तो अब समझ आया कि अम्मा लंड चूसने में तो बहुत नखरे दिखाती है पर गांड मरवाने को झट तैयार हो जाती है। और जिस रात वो

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

गधापच्चीसी खेलते हैं दूसरे दिन अम्मा और बापू दोनों बड़े खुश रहते हैं। फिर बापू दूसरे दिन अम्मा को मिठाई भी लाकर देते हैं!'

सच पूछो तो उसकी अम्मा की गांड चुदाई की बातों को सुनने में मेरी कोई दिलचस्पी नहीं थी। मैंने अब अपने धक्कों को लयबद्ध ढंग से लगाना चालू कर दिया। अंगूर की मीठी सीत्कार पूरे कमरे में गूँज रही थी। अब तो वो अपने नितम्बों को मेरे धक्कों के साथ इस तरह उछाल रही थी जैसे वो गांड मरवाने में बहुत माहिर हो गई है और कोई प्रतियोगिता ही जीतना चाहती है।

अब मुझे लगने लगा था कि मेरी पिचकारी फूट सकती है। मैंने उसके पेट के नीचे से तकिया निकाल दिया और अपने घुटने उसके नितम्बों के दोनों ओर कर दिए। ऐसा करने से मुझे अपने लंड पर उसकी गांड के छल्ले का कसाव और ज्यादा महसूस होने लगा।

मैं कभी उसके गालों को चूमता कभी उसके कानों की लटकन को और कभी उसकी पीठ चूम लेता। मैं एक हाथ से उसके उरोजों को दबाने लगा और दूसरे हाथ से उसकी बुर की फांकों को मसलने लगा। उसकी बुर तो पानी छोड़ छोड़ कर सहस्त्रधारा ही बन चली थी। मैंने उसकी मदनमणि को दबाने के साथ साथ उसकी बुर में भी अंगुली करनी चालू कर दी। मैं चाहता था कि वो भी मेरे साथ ही झड़े।

'ऊईईईईई... म्माआआआ... ईईईईईईई...'

अंगूर की सीत्कार गूँज गई। उसने अपनी जांघें समेटते हुए जोर जोर से अपने नितम्ब उछालने चालू कर दिए। शायद वो झड़ने लगी थी। मेरी अंगुली ने गर्म और तरल द्रव्य महसूस कर ही लिया था। मैंने भी उसकी चूत में अंगुली करने की गति बढ़ा दी और अपने आखिरी धक्के जोर जोर से लगाने चालू कर दिए।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

‘अंगूर मेरी जान… तुमने तो मुझे जन्नत की सैर ही करवा दी। आह… मेरी जान… मैं तो… मैं… तो… ग… गया… आआआआअ… ‘
और इसके साथ ही मेरे लंड ने भी मोक्ष प्राप्त कर ही लिया। मेरी पिचकारी गांड के अन्दर ही फूट गई।

अंगूर तो कब की निढाल हो गई थी मुझे पता ही नहीं चला। वो तो बस नीचे लेटी आँखें बंद किये लम्बी लम्बी साँसें ले रही थी। हम दोनों ने ही मोक्ष का परम पद पा लिया था।

कोई 10 मिनट तक हम ऐसे ही एक दूसरे से लिपटे पड़े रहे। जब मेरा लंड फिसल कर बाहर आ गया तो मैं उसके ऊपर से उठा गया। वो ऐसे ही लेटी रही। उसकी गांड से मेरा वीर्य निकल कर उसकी बुर की ओर प्रस्थान कर उसकी फांकों और चीरे को भिगोने लगा तो उसे गुदगुदी सी होने लगी थी।

मैंने उसके नितम्बों पर अपने हाथ फिराने चालू कर दिए और फिर उन्हें थपथपाने लगा तो वो पलट कर सीधी हो गई और फिर एकाएक मुझे से लिपट गई। मैंने उसे फिर से अपनी बाहों में भर लिया। वो उछल कर मेरी गोद में चढ़ गई मैं भला क्यों पीछे रहता मैंने उसे कस कर भींच लिया और उसके अधरों को अपने मुँह में लेकर चूमने लगा।

मैंने एक हाथ से उसकी गांड के छेद को टटोला तो उससे झरते वीर्य से मेरी अंगुलियाँ चिपचिपा गई मैंने एक अगुली फिर से उकी गांड में डाल दी तो वो जोर से चीखी और फिर उसने मेरे होंठों को इतना जोर से काटा कि मुझे लगा उनमें से खून ही झलकने लगा होगा ।

मैं उसे गोद में उठाये ही बाथरूम में ले गया। वो नीचे बैठ कर सु सु करने लगी। सु सु करते समय उसकी धार इस बार कुछ मोटी थी और ज्यादा दूर नहीं गई पर संगीत इस बार भी मधुर ही था। उसकी गांड से भी रस निकल रहा था।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

सकी बुर की सूजी हुई फांकें देख कर तो मेरा जी एक बार फिर से उसे चोद लेने को करने लगा था। सच पूछो तो उस पहली चुदाई में तो प्रमुख भागीदारी तो अंगूर की ही थी। वो ही मेरे ऊपर आकर करती रही थी। और गांड मारने में भी उतना मज़ा नहीं आया क्यों कि वो भी हमने डरते डरते किया था।

मैं एक बार उसे बिस्तर पर लिटा कर ढंग से चोदना चाहता था। उसे अपनी बाहों में जकड़ कर इस तरह पीसना चाहता था कि वो बस इस्स्स्स कर उठे। और फिर उसकी पनियाई बुर में अपना लंड डाल कर सुबह होने तक उसे अपने आगोश में लिए लेटा ही रहूँ।

हम दोनों ने अपने अपने गुप्तांगों को डिटोल के पानी और साबुन से धो लिया। जैसे ही हम कमरे में वापस आये अंगूर चौंकते हुए बोली- हाय राम… दो बज गए ?'

'ओह… तो क्या हुआ ?'
'कहीं दीदी जग गई तो मुझे तो कच्चा ही चबा जायेगी और आपको जरूर गोली मार देगी !'
'तुम्हारे जैसी खूबसूरत साली के लिए अगर मैं शहीद भी हो जाऊँ तो अब कोई गम नहीं !'

पहले तो वो कुछ समझी नहीं बाद में उसने मेरे होंठों पर अपना हाथ रख दिया और बोली- ना बाबू ऐसा नहीं बोलते !'
मैंने उसे फिर से बाहों में भर लेना चाहा तो वो छिटक कर दूर होती बोली- नहीं बाबू बस अब और तंग ना करो… देखो मेरी क्या हालत हो गई है। मुझे लगता है मैं 2-3 दिन ठीक से चल भी नहीं पाऊँगी ? अगर मधुर दीदी को जरा भी शक हो गया तो मुश्किल हो जायेगी ! और अनार दीदी को तो पक्का यकीन हो ही जाएगा कि आपने मुझे भी… ?' उसने अपनी नज़रें झुका ली।

मुझे भी अब लगने लगा था कि अंगूर सही कह रही है। पर पता नहीं क्यों मेरी छठी हिस्त

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

(इन्द्रिय) मुझे आभास दिला रही थी कि यह चिड़िया आज के बाद तुम्हारे हाथों में दुबारा नहीं आएगी। उसकी चूत और गांड की हालत देख कर मुझे नहीं लगता था कि वो कम से कम 3-4 दिन किसी भी हालत में चुदाई के लिए दुबारा राज़ी होगी। आज तो फिर भी कुछ उम्मीद है। पर मैं मरता क्या करता। मैंने तो उसे कपड़े पहनता बस देखता ही रह गया।

मुझे यूँ उदास देख कर अंगूर बोली- बाबू आप उदास क्यों होते हो मैं कहाँ भागी जा रही हूँ। बस आज आज रुक जाओ कल मैं फिर आपकी बाहों में आ जाऊँगी !'

'हाँ अंगूर… तुम ठीक कह रही हो !'
'बाबू मैं तो खुद आपसे दूर नहीं होना चाहती पर क्या करूँ ?'
'पर मधुर तो कह रही थी ना कि अब वो तुम्हें यहीं रख लेगी ?'

'मैं तो दासी बनकर भी रह लूंगी उनके पास पर बाबू एक ना एक दिन तो जाना ही होगा ना। मुझे इतने बड़े सपने ना दिखाओ मैं मधुर दीदी के साथ धोखा नहीं कर सकती उनके हम पर बहुत उपकार हैं। वो तो मुझे अपनी छोटी बहन ही मानती हैं। वह आपसे भी बहुत प्रेम करती हैं। बहुत चाहती हैं वो आपको !'

मैं तो उसे देखता ही रह गया। अंगूर तो इस समय कोई नादान और मासूम छोकरी नहीं अलबत्ता कोई बहुत ही समझदार युवती लग रही थी।
उसने अपनी बात जारी रखी- बाबू आप नहीं जानते अम्मा तो मुझे उस 35 साल के मुन्ने लाल के साथ खूंटे से बाँध देने को तैयार है !'
'क्या मतलब ?'

'ओह… मैंने आपको मुन्ने लाल के बारे में बताया तो था। वह अनार दीदी का जेठ है। 6 महीने पहले तीसरा बच्चा पैदा होते समय उसकी पत्नी की मौत हो गई थी और अब वो अम्मा और अनार दीदी को पैसे का लालच देकर मुझ से शादी कर लेना चाहता है। वो

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

किसी सरकारी दफ्तर में काम करता है और उसकी ऊपर की बहुत कमाई है !’ कहते कहते अंगूर का गला सा रुंध गया। मुझे लगा वो रो देगी ।

मैं क्या बोलता। मैं तो बस मुँह बाए उसे देखता ही रह गया। अंगूर भी जाना तो नहीं चाहती थी पर मधुर को कोई शक ना हो इसलिए उसकी मधुर के कमरे में जाकर सोने की मजबूरी थी। उसने मुझे अंतिम चुम्बन दिया और फिर वो मधुर वाले कमरे में सोने चली गई। जाते समय उसने एक बार भी मुड़ कर मेरी ओर नहीं देखा। उसने ओढ़नी का पल्लू अपने मुँह और आँखों से लगा लिया था। मैं जानता था वो अपने आँसू और बेबसी मुझे नहीं दिखाना चाहती थी।

मेरे प्यारे पाठको और पाठिकाओ ! मैंने आपको बताया था ना कि मेरी किस्मत इतनी सिकंदर नहीं है। फिर वही हुआ जिसका मुझे डर था। अगले 3 दिन तो अंगूर मुश्किल से चल फिर सकी थी। उसके गालों, होंठों, गले, पीठ और जाँघों पर मेरे प्रेम के नीले नीले निशान से पड़ गए थे। पर उसने अपने इस दर्द और प्रेम के निशानों के बारे में मधुर को तो हवा भी नहीं लगने दी थी।

आज सुबह जब मैं ऑफिस के लिए निकल रहा था तो अंगूर रसोई में थी। मैंने चुपके से जाकर उसे पीछे से अपनी बाहों में भर लिया। वो तो- उईईईईईई… अम्माआआ…’ करती ही रह गई।
मैंने तड़ातड़ कई चुम्बन उसके गालों और गर्दन पर ले लिए। वो तो बस आह… उन्ह… करती ही रह गई। और फिर जब उसने आज रात मेरे पास आ जाने की हामी भरी तब मैंने उसे छोड़ा।

दिन में मैंने कई तरह की योजनाएँ बनाई कि किस तरह और किन किन आसनों में अंगूर की चुदाई करूँगा। मेरा मन कर रहा था कि जिस तरीके से मैंने मधुर के साथ अपनी सुहागरात मनाई थी ठीक उसी अंदाज़ में अंगूर के साथ भी आज की रात मनाऊँगा।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

पहले तो एक एक करके उसके सारे कपड़े उतारूंगा फिर मोगरे और चमेली के 15-20 गज़रे उसके हर अंग पर सज़ा दूंगा। उसके पाँव, जाँघों, कमर, गले, बाजुओं और कलाईयों पर हर जगह गज़रों के हार बाँध दूंगा। उसकी कमर के गज़रे की लटकन बस थोड़ी सी नीची रखूँगा ताकि उसकी मुनिया आधी ही ढकी रहे। उसके दोनों उरोजों पर भी एक एक गज़रे की छोटी माला पहना दूंगा। उसके बालों के जूड़े में भी एक गज़रा लगा दूंगा।

पूरा बिस्तर गुलाबों की कोमल पत्तियों से सजा होगा और फिर में उसके हर अंग को चूम चूम कर उसे इतना कामातुर कर दूंगा कि वो खुद मेरे लंड को अपनी मुनिया में एक ही झटके में अन्दर समां लेगी। और फिर मैं उसे इतनी जोर जोर से रगडूंगा कि बिस्तर पर बिछी सारी गुलाब और चमेली की पत्तियों के साथ साथ उसकी बुर का भी कचूमर ही निकल जाए। और उन पत्तियों के रस और हमारे दोनों के कामरज में वो बिस्तर की चद्दर पूरी भीग जाए। मुझे तो लगने लगा था मेरा शेर अब मेरी पैंट में ही दम तोड़ देगा ।

मुझे तो लगने लगा था कि मैं जैसे परी कथा का राजकुमार हूँ और वो मेरे ख़्वाबों की शहजादी है।

आप हैरान हो रहे होंगे यार एक अदना सी नौकरानी के लिए इतना दीवानापन ? आप शायद मेरे मन की स्थिति और इन बातों को नहीं समझ पायेंगे।

पता नहीं मैं अंगूर को इतना क्यों चाहने लगा हूँ। जिस तरीके से वो मेरा और मधुर का ख़याल रखती है हमें तो लगता ही नहीं कि वो एक नौकरानी है। मेरा तो मन करता है बस मैं उसे बाहों में भर कर दिन रात उसे अपने आगोश में लिए ही बैठा रहूँ। कई बार तो यह भी भूल जाने का मन करता है कि मैं एक शादीशुदा, जिम्मेदार और सभ्य समाज में रहने वाला प्राणी हूँ। मैं तो चाहने लगा था कि इसे ले कर कहीं दूर ही चला जाऊँ जहाँ हमें देखने और पहचानने वाला ही कोई ना हो।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

एक तो यह मिलने जुलने वालों ने नाक में दम कर रखा है कोई ना कोई हाल चाल पूछने आ धमकता है। खैर आज मैं पूरी तैयारी के साथ जब शाम को घर पहुंचा तो वहाँ जोधपुर वाली मौसी को मधुर के पास विराजमान देख मेरा सारा मूड ही खराब हो गया। उसे मधुर के बारे में पता चला तो वो भी मिलने आ पहुंची थी।

जब मैं उनसे मिलकर कमरे से बाहर आया तो अंगूर मेरी ओर देख कर मंद मंद मुस्कुरा रही थी। उसने मेरी ओर अंगूठा दिखाते हुए आँख मार दी तो मैं तो अपना मन मसोस कर ही रह गया। अब तो और 2-3 दिन इस चिड़िया को चोदने का तो बस ख्वाब ही रह जाएगा।

अंगूर भी इन 10-12 दिनों में कितनी बदल गई है। उसकी मासूमियत और किशोरपन तो जैसे मेरे हाथों का स्पर्श पाते ही धुल गया है और उसकी अल्हड़ जवानी अब बांकपन और शौखियों में तब्दील हो गई है। उसका शर्मीलापन तो जैसे पिंघल कर कातिलाना अदा बन गया है। उसके कपड़े पहनने का ढंग, सजने संवरने का तरीका और बोलचाल सब कुछ जैसे बदल गया है। मधु के साथ रह कर तो उसका कायाकल्प ही हो गया है।

मुझे तो लगने लगा अगर जल्दी ही अंगूर को मैंने अपनी बाहों में नहीं भर लिया तो मैं पागल ही हो जाऊँगा। दर असल मुझे कहीं ना कहीं मिक्की और सिमरन कि छवि अंगूर में नज़र आने लगी थी।

खैर मौसी को किसी तरह रविवार को सुबह सुबह विदा किया। जब मैं उसे छोड़ने स्टेशन जा रहा था तो मैंने और अंगूर ने आँखों ही आँखों में इशारा किया कि आज दोपहर में जब मधुर सो जायेगी तो साथ वाले कमरे में हम दोनों उस दिन की याद एक बार फिर से ताज़ा कर लेंगे।

जब मैं मौसी को जोधपुर के लिए गाड़ी में बैठा कर वापस आया तो घर पर बम्ब फूट चुक्का था। मधुर के कमरे में गुलाबो और अंगूर दोनों को खड़ा देख कर किसी अनहोनी की

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

आशंका से मेरा दिल बुरी तरह धड़कने लगा। अंगूर कहीं नज़र नहीं आ रही थी। पता नहीं क्या बात थी ?

बाद में मधुर ने बताया कि ये दोनों अंगूर को लेने आई हैं। अब गुलाबो ठीक हो गई है और सारा काम वो ही कर दिया करेगी। दरअसल आज दिन में लड़के वाले अंगूर को देखने आने वाले थे। ओह… बेचारी अंगूर ने पहले ही इस बात का अंदेशा जता दिया था कि उसके घर वाले उसे किसी निरीह जानवर की तरह उस बुढ़ऊ के पल्ले बाँध देंगे। जरूर यह काम अनार ने किया होगा।

मुझे उन दोनों पर गुस्सा भी आ रहा था और झुंझलाहट भी हो रही थी। पैसों के लिए एक छोटी सी बच्ची को 35 साल के उस खूसट के पल्ले बाँध देना तो सरासर अमानवीयता है। अगर पैसे ही चाहियें तो मैं दे देता मेरे लिए यह कौन सी बड़ी बात थी। पर मैं क्या बोलता।
मुझे लगा मेरे चहरे को देख कर कहीं मधुर और अनार को कोई शक ना हो जाए मैं कमरे से बाहर आ गया।

अंगूर ड्राइंग रूम के साथ बने बाथरूम में थी। मैं उधर ही चला गया। अंगूर की आँखों से झर झर नीर बह रहा था। मुझे देखते ही वो सुबकने लगी। उसकी कातर आँखें देख कर मुझे भी रोना सा आ गया।

‘बाबू… अम्मा और अंगूर दीदी को मना लो… मैं सच कहती हूँ… मैं जहर खा कर अपनी जान दे दूँगी पर उस मुन्ने लाल के साथ किसी भी सूरत में शादी नहीं करुँगी।’

‘ओह… अंगूर मैं बात करूँगा… तुम चिंता मत करो !’ मैंने कह तो दिया था पर मैं जानता था मैं कुछ नहीं कर पाऊँगा।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

थोड़ी देर बाद अंगूर उनके साथ चली गई। जाते समय उसने बस एक बार मुड़ कर मेरी ओर देखा था। उसकी आँखों से गिरते आंसू तो बस यही कह रहे थे :

एक गहरी खाई जब बनती है तो अपने अस्तित्व के पीछे जमाने में महलों के अम्बार लगा देती है उसी तरह हम गरीब बदकिस्मत इंसान टूट कर भी तुम्हें आबाद किये जाते हैं।

मैं तो बुत बना बस उसे नज़रों से ओझल होते देखता ही रह गया। मैं तो उसे हौंसला भी नहीं दे पाया ना उसके गालों पर लुढ़क आये आंसूं को ही पोंछ पाया। बस मेरे दिल की गहराइयों और कांपते होठों से रसीद सिम्मी का यह शेर जरूर निकला पड़ा :

पलकों से गिर ना जाएँ ये मोती संभाल लो
दुनिया के पास देखने वाली नज़र नहीं है ।

दोस्तो ! आपको यह अंगूर का दाना कैसा लगा मुझे जरूर बताना।

आपका प्रेम गुरु
premguru2u@yahoo.com
premguru2u@gmail.com

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

Other stories you may be interested in

लण्ड कट जाएगा.. ऐसा लगा-2

आपने अब तक पढ़ा.. मेरी पत्नी सरिता सुहाग सेज पर थी और मैं सरिता की पैन्टी को उतारने लगा, सरिता ने मना कर दिया। अब आगे.. पर मैं भी कहाँ रुकने वाला था, उस पर दबाव डालकर उतार ही डाला, […]
Full Story >>>

चुद गई पापा की परी-1

कुछ पाठकों ने होस्टल से पहले की मेरी लाइफ के बारे में लिखने को बोला, मेरे प्रिय पाठकों की यह मांग मुझे भी पसंद आई। फिलहाल मेरी शुरूआती पारिवारिक जिंदगी के बारे में इस कहानी में पढ़िए। मैं अपने घर […]
Full Story >>>

पड़ोसन लड़की ने मुझे पटा कर चूत चुदवाई

नमस्कार दोस्तो.. मेरा नाम गोलू है। आज पहली बार मैं अपनी कहानी लिखने जा रहा हूँ। बात उस समय की है जब मैं 22 साल का था। मेरे पड़ोस में एक आंटी रहती थीं, उनका एक स्कूल था, मेरी उन […]
Full Story >>>

नए लड़कों से गांड मारने मराने की दोस्ती-1

हैलो.. मैं बारहवीं कक्षा में एडमीशन लेकर एक नए कॉलेज में भर्ती हुआ। नया शहर नए स्टूडेंट थे.. अधिकतर लड़के तो शहर के ही थे.. कुछ ही बाहर से आए थे जिनमें एक मैं भी था। चार-पांच नए लड़के थे.. […]
Full Story >>>

लागी लंड की लगन, मैं चुदी सभी के संग-32

अब बारी मेरी और अश्वनी की थी, अश्वनी मुझसे धीरे से बोला- यार आकांक्षा, मुझे लगता है कि मेरा जल्दी निकल जायेगा। मैंने अश्वनी को इशारे से समझा दिया कि जैसे मैं कहूँ बस वही करना। अब बिस्तर पर मैं […]
Full Story >>>

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

Other sites in IPE

Antarvasna Porn Videos

Antarvasna Porn Videos is our latest addition of hardcore porn videos.

Antarvasna Shemale Videos

Welcome to the world of shemale sex. We are here to understand your desire to watch sexy shemales either getting fucked or be on command and fuck other's ass or pussy. Choose your favourite style from our list and enjoy alone or with your partner. Learn new positions to satisfy your partner and enjoy a lots of dick raising movies.

Urdu Sex Stories

Daily updated Pakistani Sex Stories & Hot Sex Fantasies.

Kambi Malayalam Kathakal

Large Collection Of Free Malayalam Sex Stories & Hot Sex Fantasies.

Tamil Kamaveri

சூடு ஏத்தும் தமிழ் செக்ஸ் கதைகள் , தமிழ் லெஸ்பியன் கதைகள் , தமிழ் குடும்ப செக்ஸ் கதைகள் , தமிழ் ஆண் ஓரின சேர்க்கை கதைகள் , தமிழ் கள்ள காதல் செக்ஸ் கதைகள் , படிக்க எங்கள் தமிழ்காமவெறி தளத்தை விசிட் செய்யவும் . மேலும் நீங்கள் உங்கள் கதைகளை பதிவு செய்யலாம் மற்றும் செக்ஸ் சந்தேகம் சம்பந்தமான செய்திகளும் படிக்கலாம்

Sex Chat Stories

Daily updated audio sex stories.

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire